by the Associated Chambers of Commerce and Industry of India, it has been stated *inter-alia* that Shipping including Port operations is a major bottleneck in the country's export efforts. The above document does not indicate the basis on which these conclusions have been arrived at nor does it furnish any data in support of such a surmise.

(b) and (c) Govt. is making continuous efforts for bringing about improvements in port and shipping sectors to improve the country's export efforts. Some of the steps taken to gear up shipping and port operations are:

(i) Constant monitoring of performance of the Major Ports.

(ii) Committees consisting of port authorities and port users have been set up in each port to sort out various problems of the exporters at ports.

(iii) The issue of stevedoring licences has been liberalised and Port Trusts/Dock Labour Boards have also started undertaking stevedoring work, thus introducing more competition in the field.

(iv) Cargo handling and berthing facilities at ports are being improved in a phased manner.

(v) Container handling facilities are being improved by inducting modern equipment.

(vi) A new major port with modern cargo handling facilities has been developed at Nhava Sheva.

(vii) The procedure for acquisition of ships has been streamlined.

विदेशों में संस्कृत भाषा का पढ़ाया जाना

823. **श्री संतोष बागड़ोदिया :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय विश्व के कितने देशों में संस्कृत पढ़ायी जा रही है ;

(ख) कौन-कौन से देश इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ;

(ग) अब तक कितने विश्व संस्कृत सम्मेलन आयोजित किये गये और ये सम्मेलन किन-किन स्थानों पर आयोजित किये थे ; और

(घ) आगामी विश्व संस्कृत सम्मेलन कब और कहां आयोजित किये जाने का विचार है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल०पी० साही) : (क)ऐसे देशों की संख्या से संबंधित आंकड़े जहां फिलहाल संस्कृत पढ़ायी जा रही है, नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) नेपाल, फ्रांस, जर्मन जनवादी गणराज्य, यू०एस०एस०आर०, यू० एस० ए०, जापान, थाइलैंड, हालैंड, चेकोस्लोवालिया तथा इंडोनेशिया जैसे देश संस्कृत भाषा के अध्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।

(ग) निम्नलिखित स्थानों पर आज तक सात विश्व संस्कृत सम्मेलन आयोजित किये जा चुके हैं :-

1. दिल्ली (भारत) 1972
2. टूरिन (इटली) 1974
3. पेरिस (फ्रांस) 1976
4. वैयमर (जर्मनी) 1978
5. वाराणसी (भारत) 1981
6. फिलडेलफिया (यू०एस०ए०) 1984
7. लैडेन (हालैंड) 1987

(घ) वर्ष 1990 में वीना (आस्ट्रिया) में 8वां संस्कृत सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव है